

मध्यकालीन भारतीय इतिहास

भारत पर मुस्लिम आक्रमण

- * पैगंबर हजरत मोहम्मद का जन्म हुआ था — 570 ई. में
- * मोहम्मद साहब की मृत्यु हुई थी — 632 ई. में
- * मक्का है — सऊदी अरब में
- * हिंद (भारत) की जनता के संदर्भ में 'हिंदू' शब्द का प्रथम बार प्रयोग किया था — अरबों ने
- * भारत पर पहला मुस्लिम आक्रमण हुआ — 711 ई. में
- * मुहम्मद बिन कसिम द्वारा सिंध की विजय हुई — 712 ई. में
- * भारत में प्रथम मुस्लिम आक्रमणकारी था — मुहम्मद बिन कसिम
- * भारत पर सर्वप्रथम मुस्लिम आक्रमणकारी थे — अरब के
- * गजनी राजवंश का संस्थापक था — अल्पतगीन
- * चंदेल शासक महमूद गजनवी से पराजित नहीं हुआ था — विद्याधर
- * कथन (A) : महमूद गजनी ने भारत पर 17 बार आक्रमण किए।
कारण (R) : वह भारत में स्थायी मुस्लिम शासन की स्थापना करना चाहता था। — (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
- * महमूद गजनवी का दरबारी इतिहासकार था — उत्बी
- * शाहनामा का लेखक, फिरदौसी संबंधित था — महमूद गजनवी के दरबार से
- * महमूद गजनी के साथ भारत आने वाला प्रसिद्ध इतिहासकार एवं मुस्लिम विद्वान था — अलबरूनी
- * अलबरूनी भारत में आया था — ग्यारहवीं शताब्दी ई. में
- * अलबरूनी के संबंध में सत्य कथन हैं — वह एक धर्मनिरपेक्ष लेखक नहीं था।
उसका ग्रंथ उस समय के जीवंत भारत से प्रभावित था।
वह संस्कृत का विद्वान था।
वह त्रिकोणमिति का विशेषज्ञ था।
- * पुराणों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुसलमान था — अलबरूनी
- * एक तरफ संस्कृत मुद्रालेख के साथ चांदी के सिक्के निर्गत किए — महमूद गजनवी ने
- * मध्य एशिया का शासक, जिसने 1192 में उत्तर भारत को जीता — शिहाबुद्दीन मुहम्मद गोरी

- * मुहम्मद गोरी को सर्वप्रथम पराजित किया — भीम द्वितीय अथवा मूल राज द्वितीय ने
- * मुहम्मद गोरी ने जयचंद को पराजित किया था — चंदावर के युद्ध (1194 ई.) में
- * वह युद्ध जिसमें भारत में मुस्लिम शक्ति की स्थापना हुई — तराइन का द्वितीय युद्ध
- * भारत पर आक्रमण करने वाले व्यक्तियों का सही क्रम है — महमूद गजनवी, मोहम्मद गोरी, चंगेज खां, तैमूर
- * वह मुस्लिम शासक, जिसके सिक्कों पर देवी लक्ष्मी की आकृति बनी है — मुहम्मद गोरी
- * भारत में मुहम्मद गोरी ने प्रथम अक्ता प्रदान किया था — कुतुबुद्दीन ऐबक को
- * मुहम्मद गोरी, जिसने बंगाल एवं बिहार पर विजय प्राप्त की, था — बख्तियार खिलजी का दास

दिल्ली सल्तनत : गुलाम वंश

- * गुलाम वंश का संस्थापक था — कुतुबुद्दीन ऐबक
- * दिल्ली सल्तनत का सुल्तान जो 'ताख बख्त' के नाम से जाना जाता है — कुतुबुद्दीन ऐबक
- * कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा बनवाया गया 'ढाई दिन का झोंपड़ा' है — एक मस्जिद
- * प्रसिद्ध कुतुबमीनार के निर्माण में योगदान दिया — कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश एवं फिरोजशाह तुगलक ने
- * कुतुबुद्दीन ऐबक की राजधानी थी — लाहौर
- * सुल्तान कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु हुई — चौगान की क्रीड़ा के दौरान अश्व से गिरने के पश्चात
- * दिल्ली को सल्तनत की राजधानी के रूप में स्थापित किया था — इल्तुतमिश ने
- * दिल्ली का वह प्रथम सुल्तान, जिसने नियमित सिक्के जारी किए तथा दिल्ली को अपने साम्राज्य की राजधानी घोषित किया — इल्तुतमिश
- * दिल्ली का प्रथम मुस्लिम शासक — इल्तुतमिश
- * 'गुलाम का गुलाम' कहा गया था — इल्तुतमिश को
- * मध्यकालीन भारत की प्रथम महिला शासिका — रजिया सुल्तान

सम-सामयिक पटना पत्र

- * मंगोल आक्रमणकारी चंगेज खां भारत की उत्तर-पश्चिम सीमा पर आया था — इल्तुतमिश के काल में
- * मंगोल प्रथम बार सिंधु के तट पर देखे गए — इल्तुतमिश के शासनकाल में
- * चंगेज खान का मूल नाम था — तेमुघिन
- * इल्तुतमिश ने बिहार में अपना प्रथम सूबेदार नियुक्त किया था — मलिक जानी को
- * रजिया बेगम को सत्ताच्युत करने में हाथ था — तुर्कों का
- * दिल्ली के सुल्तान बलबन का पूरा नाम था — गयासुद्दीन बलबन
- * दिल्ली का वह सुल्तान जिसके विषय में कहा गया है कि उसने "रक्त और लौह" की नीति अपनाई थी — बलबन
- * कथन (A) : बलबन ने अपने शासन को शक्तिशाली बनाया और सारी सत्ता अपने हाथ में केंद्रित कर ली।
कारण (B) : वह उत्तर-पश्चिम सीमा को मंगोल आक्रमण से सुरक्षित करना चाहता था।
— (A) और (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की समुचित व्याख्या (R) नहीं है।
- * अपनी शक्ति को समर्थित करने के बाद बलबन ने धारण की — जिल्ले-इलाही की उपाधि
- * भारत में प्रसिद्ध फारसी त्यौहार 'नौरोज' को आरंभ करवाया — बलबन ने
- * बलबन के संदर्भ में सत्य कथन है — उसने नियामत-ए-खुदाई के सिद्धांत का प्रतिपादन किया था।
उसने तुर्कान-ए-चहलगानी का प्रभाव समाप्त किया था।
उसने बंगाल के विद्रोह का दमन किया था।
नासिरुद्दीन महमूद ने उसे उलुग खां की उपाधि दी थी।
- * गढ़मुक्तेश्वर की मस्जिद की दीवारों पर अपने शिलालेख में स्वयं को 'खलीफा का सहायक' कहा है — बलबन ने

खिलजी वंश

- * "जब उसने राजत्व (Kingship) प्राप्त किया, तो वह शरियत के नियमों और आदेशों से पूर्णतया स्वतंत्र था।" बरनी ने यह कथन जिस सुल्तान के लिए कहा, वह है — अलाउद्दीन खिलजी
- * वह सुल्तान जो नया धर्म चलाना चाहता था, किंतु उलेमा लोगों ने विरोध किया — अलाउद्दीन खिलजी
- * दिल्ली का सुल्तान जिसने 'सिकंदर सानी' की मानोपाधि धारण की थी — अलाउद्दीन खिलजी
- * अलाउद्दीन खिलजी का प्रसिद्ध सेनापति जिसकी मंगोलों के विरुद्ध लड़ते हुए मृत्यु हुई — जफर खां

- * रानी पद्मिनी का नाम अलाउद्दीन की चित्तौड़ विजय से जोड़ा जाता है उनके पति का नाम है — राणा रतन सिंह
- * कथन (A) : अलाउद्दीन के दक्षिणी अभियान धन-प्राप्ति के अभियान थे कारण (R) : यह दक्षिणी राज्यों को कब्जे में करना चाहता था।
— A सही है, परंतु R गलत है।
- * अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण के समय देवगिरि का शासक था — रामचंद्र देव
- * वह सुल्तान जिसके काल में खालिसा भूमि अधिक पैमाने में विकसित हुई — अलाउद्दीन खिलजी
- * वह सुल्तान जिसके बारे में कहा जाता है कि उसने भूमि-कर को उत्पादन के 50% तक कर दिया था — अलाउद्दीन खिलजी
- * अलाउद्दीन खिलजी के संबंध में सही कथन है—
(i) उसने कृष्ट जमीनों की पैमाइश के बाद जमीन की मातृगुजारी वसूल की।
(ii) उसने प्रांतों के गवर्नरों के अधिकारों को समाप्त किया।
- * कथन (A) : अलाउद्दीन खिलजी ने दिल्ली में मूल्य नियंत्रण लागू किया था।
कारण (R) : वह दिल्ली में अपने राज भवन के निर्माण में लगे हुए कारीगरों को कम वेतन देना चाहता था।
— (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
- * वह सुल्तान जिसने 'बाजार सुधार' लागू किए थे — अलाउद्दीन खिलजी
- * मूल्य नियंत्रण पद्धति को पहली बार लागू किया — अलाउद्दीन खिलजी ने
- * बाजार नियंत्रण प्रथा लागू की थी — अलाउद्दीन खिलजी ने
- * मध्यकालीन शासक जिसने 'सार्वजनिक वितरण प्रणाली' प्रारंभ की थी — अलाउद्दीन खिलजी
- * 'घरी' अथवा गृहकर लगाने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान था — अलाउद्दीन खिलजी
- * 1306 ई. के बाद अलाउद्दीन खिलजी के समय में दिल्ली के सुल्तान तथा मंगोलों के बीच सीमा थी — सिंधु नदी

तुगलक वंश

- * अलाउद्दीन खिलजी का वह सेनाध्यक्ष जो तुगलक वंश का प्रथम सुल्तान बना — गाजी मलिक
- * सबसे अधिक समय तक देश में राज्य किया — तुगलक वंश के सुल्तानों ने
- * दिल्ली सल्तनत का सर्वाधिक विद्वान शासक जो खगोलशास्त्र, गणित एवं आधुनिक विज्ञान सहित अनेक विद्याओं में माहिर था — मुहम्मद बिन तुगलक

सम-सामयिक घटना काल

- * दीवान-ए-अमीर-ए-कोही' एक नया विभाग जिस सुल्तान द्वारा शुरू किया गया था, वह है — मुहम्मद बिन तुगलक
- * दिल्ली का सुल्तान जिसने एक पृथक कृषि विभाग की स्थापना की एवं फसल चक्र की योजना बनाई थी — मुहम्मद बिन तुगलक
- * मुहम्मद बिन तुगलक अपनी राजधानी दिल्ली से ले गया— दौलताबाद
- * भारत में सर्वप्रथम सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन किया था — मुहम्मद बिन तुगलक ने
- * कथन (A) : मुहम्मद बिन तुगलक ने एक नया स्वर्ण सिक्का जारी किया जो इब्नबतूता द्वारा दीनार कहलाया गया।
कारण (R) : मुहम्मद बिन तुगलक पश्चिम एशियाई तथा उत्तरी अफ्रीकी देशों के साथ व्यापार में अभिवृद्धि के लिए स्वर्ण सिक्कों की टोकन मुद्रा जारी करना चाहता था।
— A सही है, परंतु R गलत है।
- * कथन (A) : मुहम्मद तुगलक की प्रतीक मुद्रा योजना असफल सिद्ध हुई।
कारण (R) : मुहम्मद तुगलक का मुद्रा निर्गमन पर उचित नियंत्रण नहीं था।
— A और R दोनों सही हैं और R सही व्याख्या है A की।
- * मूर देश का यात्री इब्नबतूता भारत आया — मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में
- * सल्तनतकाल में डाक व्यवस्था का विस्तृत विवरण दिया है — इब्नबतूता ने
- * होली त्यौहार के सार्वजनिक उत्सव में भाग लेने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान — मुहम्मद बिन तुगलक
- * वह शासक जिसकी मृत्यु पर इतिहासकार बदायूनी ने कहा था कि "सुल्तान को अपनी प्रजा से और प्रजा को सुल्तान से मुक्ति मिल गई" — मुहम्मद बिन तुगलक
- * वह सुल्तान जिसने बेरोजगारों को रोजगार दिलवाया— फिरोज तुगलक
- * दिल्ली का वह सुल्तान जिसने बेरोजगारों के सहायताार्थ, 'रोजगार कार्यालय' की स्थापना की थी — फिरोजशाह तुगलक
- * दिल्ली का सुल्तान जो दान-दक्षिणा के बारे में काफी ध्यान रखता था और इसके लिए एक विभाग 'दीवान-ए-खैरात' स्थापित किया — फिरोज तुगलक
- * वह सुल्तान जिसके दरबार में सबसे अधिक गुलाम थे — फिरोज तुगलक
- * मध्यकालीन भारतीय राजाओं के संदर्भ में सही कथन हैं — बलबन ने पहले एक अलग आरिज विभाग स्थापित किया। अलाउद्दीन ने अपनी सेना के घोड़ों को दागने की पद्धति शुरू की। मुहम्मद बिन तुगलक के बाद दिल्ली की गद्दी पर उसका चचेरा भाई बैठा। फिरोज तुगलक ने गुलामों का एक अलग विभाग स्थापित किया।

- * सर्वप्रथम लोक निर्माण विभाग की स्थापना की थी — फिरोजशाह तुगलक ने
- * दिल्ली का वह सुल्तान जो भारत में नहरों के सबसे बड़े जाल का निर्माण करने के लिए प्रसिद्ध है — फिरोजशाह तुगलक
- * 'हक्क-ए-शर्ब' अथवा सिंचाई कर लगाने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान — फिरोज तुगलक
- * दिल्ली का सुल्तान जिसने ब्राह्मणों पर भी जजिया लगाया था — फिरोज तुगलक
- * मुहम्मद बिन तुगलक, फिरोज तुगलक, सिकंदर लोदी तथा शेरशाह सूरी में से वह सुल्तान जिसने फलों की गुणवत्ता सुधारने के लिए उपाय किए — फिरोज तुगलक
- * टोपरा तथा मेरठ से दो अशोक स्तंभ लेख दिल्ली लाया था — फिरोजशाह तुगलक
- * दिल्ली का वह सुल्तान जिसने इस उद्देश्य से एक 'अनुवाद विभाग' की स्थापना की, कि उससे दोनों संप्रदायों के लोगों में एक-दूसरे के विचारों की समझ बेहतर हो सके — फिरोज तुगलक
- * राज्य के खर्च पर हज की व्यवस्था करने वाला पहला भारतीय शासक — फिरोज तुगलक
- * फिरोज तुगलक द्वारा स्थापित 'दार-उल-शफा' था — एक खैराती अस्पताल
- * दिल्ली सल्तनत के तुगलक राजवंश का अंतिम शासक था — नासिर-उद्-दीन महमूद
- * वह शासक जिसके शासनकाल में तैमूर ने भारत पर आक्रमण किया — नासिरुद्दीन महमूद
- * तैमूर लंग ने भारत पर आक्रमण किया — 1398 ई. में
- * तैमूर के आक्रमण के बाद भारत में राज स्थापित हुआ — सैयद वंश का

लोदी वंश

- * खिलजी, तुगलक, सैयद तथा लोदी शासकों में से अफगान मूल के थे — लोदी शासक
- * दिल्ली की राजगद्दी पर अफगान शासकों का सही क्रम है — बहलोल खान लोदी (1451-1489 ई.), सिकंदर लोदी (1489-1517 ई.), इब्राहिम लोदी (1517-1526 ई.)
- * महाराणा सांगा ने इब्राहिम लोदी को परास्त किया था — खातेली के युद्ध में
- * वह मध्ययुगीन सुल्तान जिसे आगरा शहर की नींव डालने एवं उसे सल्तनत की राजधानी बनाने का श्रेय जाता है — सिकंदर लोदी

सम-साहित्यिक कला का

- * 'गुलरुखी' उपनाम से अपनी कविताओं की रचना की
— सिकंदर लोदी ने
- * अन्न के ऊपर कर समाप्त करने के लिए जाना जाता है
— सिकंदर लोदी
- * दिल्ली पर शासन करने वाले वंशों का सही क्रम है
— गुलाम वंश, खिलजी वंश, तुगलक वंश, सैयद वंश एवं लोदी
- * बलबन, इल्तुतमिश, कुतुबुद्दीन ऐबक तथा इब्राहिम लोदी में से वह शासक जो गुलाम वंश का नहीं था
— इब्राहिम लोदी

विजयनगर साम्राज्य

- * विजयनगर राज्य की स्थापना की थी — हरिहर और बुक्का ने
- * अपनी 'मदुरा विजय' कृति में अपने पति के विजय अभियानों का वर्णन करने वाली कवयित्री थी — गंगादेवी
- * विजयनगर का वह पहला शासक, जिसने बहमनियों से गोवा को छीना
— हरिहर II
- * सही कथन है—
1. नरसिंह सातुव ने संगम वंश का अंत किया और उसने राजसिंहासन छीन कर सातुव वंश आरंभ किया।
2. वीर नरसिंह ने अंतिम सातुव शासक को गद्दी से उतारकर राजसिंहासन छीना।
3. वीर नरसिंह के उत्तरवर्ती उनके अनुज कृष्णदेव राय थे।
4. कृष्णदेव राय के उत्तरवर्ती उनके अर्द्ध-भाई अच्युतदेव राय थे।
- * विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय ने गोलकुंडा का युद्ध जिस राजा के साथ लड़ा था, वह है — कुती कुतुबशाह
- * कृष्णदेव राय के दरबार में 'अष्ट दिग्गज' थे — आठ तेलुगू कवि
- * कृष्णदेव राय, राजेंद्र चोल, हरिहर तथा बुक्का में से वह, जिसे 'आंध्र भोज' भी कहा जाता है — कृष्णदेव राय
- * प्रसिद्ध विजयनगर शासक कृष्णदेव राय के अधीन स्वर्णयुग था?
— तेलुगू साहित्य का
- * कृष्णदेव राय ने स्थापना की — नागलापुर नगर की
- * विजयनगर का प्रसिद्ध हजारों मंदिर निर्मित हुआ था
— कृष्णदेव राय के शासनकाल में
- * अब्दुल रज्जाक विजयनगर आया था — देवराय-II के राजकाल में
- * निकोलो कॉंटी था
— इटली का एक यात्री, जिसने देवराय प्रथम के समय विजयनगर साम्राज्य की यात्रा की
- * वैदिक ग्रंथों के भाष्यकार सायण को आश्रय प्राप्त था
— विजयनगर राजाओं का

- * 1565 में प्रसिद्ध युद्ध हुआ था — तालीकोटा का युद्ध
- * तालीकोटा का युद्ध लड़ा गया था
— विजयनगर और बीजापुर, अहमदनगर तथा गोलकुंडा की संयुक्त सेनाओं के बीच
- * जब राजा वोडियार ने मैसूर राज्य की स्थापना की, तब विजयनगर साम्राज्य का शासक था — वेंकट II
- * विजयनगर साम्राज्य की 'वित्तीय व्यवस्था' की मुख्य विशेषता थी
— भूराजस्व
- * विजयनगर के शासक कृष्णदेव की करधान व्यवस्था से संबंधित सही कथन है
— भूमि की गुणवत्ता के आधार पर भू-राजस्व की दर निश्चित होती थी।
कारखानों के निजी स्वामी एक औद्योगिक कर देते थे।
- * वह स्थान जहां के खंडहर विजयनगर की प्राचीन राजधानी का प्रतिनिधित्व करते हैं — हम्पी
- * विजयनगर का शासक जिसने चीन के सम्राट के पास अपना राजदूत भेजा — बुक्का प्रथम
- * प्रसिद्ध विजय विठ्ठल मंदिर जिसके 56 तक्षित स्तंभ संगीतमय स्वर निकालते हैं, अवस्थित है — हम्पी में

दिल्ली सल्तनत : प्रशासन

- * इतिहासकार बरनी ने दिल्ली के सुल्तानों के अधीन भारत में शासन को वास्तव में इस्लामी नहीं माना, क्योंकि
— अधिकतर आबादी इस्लाम का अनुसरण नहीं करती थी
- * सल्तनत कात के अधिकांश अमीर एवं सुल्तान थे
— तुर्क वर्ग के
- * सुमेलित हैं—
दीवान-ए-बंदगान — फिरोज तुगलक
दीवान-ए-मुस्तखराज — अलाउद्दीन
दीवान-ए-कोही — मुहम्मद तुगलक
दीवान-ए-अर्ज — बलबन
- * सुमेलित हैं—
दीवान-ए-मुस्तखराज — अलाउद्दीन खिलजी (राजस्व विभाग)
दीवान-ए-अमीरकोही — मुहम्मद बिन तुगलक (कृषि विभाग)
दीवान-ए-खैरात — फिरोज तुगलक (दान विभाग)
दीवान-ए-रिवास्त — अलाउद्दीन खिलजी (बाजार नियंत्रण विभाग)

संस्कृत-सामयिक घटना

- * सुमेरित हैं -
 - दीवाने अर्ज - सेना विभाग से संबंधित
 - दीवाने रिसालत - धार्मिक मुद्दों से संबंधित
 - दीवाने इन्शा - सरकारी पत्रव्यवहार से संबंधित
 - दीवाने वज़ारत - वित्तीय मामलों से संबंधित
- * वह राजवंश जिसके अंतर्गत विजयनगर का चरमोत्कर्ष हुआ
 - तुगलक राजवंश
- * भूमि-उत्पाद पर लगने वाले कर को इंगित करता है
 - खराज, उश्र एवं मुक्तद
- * भारत का मध्यकालीन शासक जिसने 'इत्ता व्यवस्था' प्रारंभ की थी
 - इल्तुतमिश
- * सल्तनत काल में भू-राजस्व का सर्वोच्च ग्रामीण अधिकारी था
 - चौधरी
- * 'शर्ब' कर लगाया जाता था
 - सिंचाई पर
- * जवाबित का संबंध था
 - राज्य कानून से
- * हदीस है एक
 - इस्लामिक कानून
- * सल्तनत काल में 'फवाज़िल' का अर्थ था - इत्तादारों द्वारा सरकारी खजाने में जमा की जाने वाली अतिरिक्त राशि
- * सल्तनत काल की दो प्रमुख मुद्राएं हैं
 - जीतल एवं टंका
- * 'टंका' (Tanka) नामक चांदी का सिक्का चलाया था
 - इल्तुतमिश ने
- * सल्तनत काल के सिक्के-टंका, शशगनी एवं जीतल थे
 - चांदी तथा तांबा के
- * बगदाद के अंतिम खलीफा का नाम सर्वप्रथम अंकित हुआ
 - अलाउद्दीन मसूद शाह के सिक्कों पर

दिल्ली सल्तनत : कला एवं स्थापत्य

- * 'अलाई दरवाजा' का निर्माण करवाया
 - अलाउद्दीन खिलजी ने
- * कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश, अलाउद्दीन खिलजी तथा फिरोजशाह तुगलक में से वह, जिसने कुतुबमीनार के निर्माण में योगदान नहीं दिया
 - अलाउद्दीन खिलजी
- * वह सुल्तान जिसने कुतुबमीनार की पांचवीं मंजिल का निर्माण कराया
 - फिरोजशाह तुगलक
- * भारत में प्रथम मकबरा जो शुद्ध इस्लामी शैली में निर्मित हुआ था
 - बलबन का मकबरा

- * स्थापत्य एवं नगरों के निर्माण का सही कार्यक्रम है
 - कुतुबमीनार, तुगलकाबाद, लोदी गार्डन, फतेहपुर सीकरी
- * 'कीर्ति स्तंभ प्रशस्ति' के रचयिता थे
 - अभिषेक
- * चित्तौड़ का 'कीर्ति स्तंभ' निर्मित हुआ था
 - राणा कुम्भा के शासनकाल में
- * सुमेरित हैं-

स्थल	स्थापत्य
दिल्ली	कुब्बत-अल-इस्लाम
जौनपुर	अटाला मस्जिद
मालवा	जहाज़ महल
गुलबर्गा	जामा मस्जिद
- * सुमेरित हैं-

वास्तु शैली	संबद्ध राजवंश
मेहराब की निचली सतह पर कमलकवि	- खिलजी
की झालर	
अष्टभुजीय मकबरों का उदय	- तुगलक
स्तंभों में बोदिगोई का प्रयोग	- विजयनगर
झुकी हुई दीवारों के साथ विशाल मुख्य द्वार	- शर्की

दिल्ली सल्तनत : साहित्य

- * 'किताब-उल-हिंद' रचना के प्रसिद्ध लेखक का नाम था
 - अलबरूनी
- * 'तूती-ए-हिंद' अमीर खुसरो का जन्म हुआ था
 - कसगंज के पटियाली में
- * स्वयं को 'हिन्दोस्तान का तोता' कहा
 - अमीर खुसरो ने
- * अमीर खुसरो ने अग्रगामी की भूमिका निभाई
 - खड़ी बोली के विकास में
- * दिल्ली के सात सुल्तानों का शासनकाल देखा था
 - अमीर खुसरो एवं शेख निजामुद्दीन औलिया ने
- * प्रसिद्ध कवि अमीर खुसरो दरबार में रहे
 - अलाउद्दीन खिलजी के
- * अमीर खुसरो एक थे।
 - कवि, इतिहासकार एवं संगीतज्ञ
- * नवी फारसी काव्य-शैली 'सबक-ए-हिंदी' अथवा हिंदुस्तानी शैली के जन्मदाता थे
 - अमीर खुसरो
- * अमीर खुसरो, मलिक मुहम्मद जायसी, कबीर तथा अब्दुल रहीम खान-ए-खाना में से वह, जिन्हें 'हिंदी खड़ी बोली का जनक' माना जाता है
 - अमीर खुसरो
- * हिंदी और फारसी दोनों भाषाओं का विद्वान था
 - अमीर खुसरो

सम-सांस्कृतिक पट ना पक

★ सही कथन है

— हिंदू देवी-देवताओं तथा मुस्लिम संतों की प्रशंसा में रचित गीतों का संग्रह किताब-ए-नौरस इब्राहिम आदिल शाह II द्वारा लिखा गया था। भारत में कबूली से जानी जाने वाली संगीत शैली के प्रारंभिक रूप के आरंभकर्ता अमीर खुसरो थे।

★ 'तबकात-ए-नासिरी' का लेखक था — मिनहाज-उस-सिराज

★ अरबी, फारसी, तुर्की एवं उर्दू भाषाओं में से वह भाषा जिसे दिल्ली सुल्तानों ने संरक्षण प्रदान किया — फारसी

★ 'अपभ्रंश' शब्द का प्रयोग मध्यकालीन संस्कृत ग्रंथों में होता था — कुछ आधुनिक भारतीय भाषाओं के आरंभिक रूपों को इंगित करने के लिए

★ सुमेलित हैं—

सूची-I

सूची-II

जियाउद्दीन बरनी	—	तारीख-ए-फिरोजशाही
हसन निजामी	—	ताजुल मासिर
मिनहाज-उस-सिराज	—	तबकात-ए-नासिरी
याहिया-बिन-अहमद	—	तारीख-ए-मुबारकशाही

★ सुमेलित हैं—

तारीख-ए-हिंद	—	अलबरूनी
तारीख-ए-दिल्ली	—	खुसरो
रेहला	—	इब्नबतूता
तबकात-ए-नासिरी	—	मिनहाज

★ वीणा, ढोलक, सारंगी तथा सितार में से वह संगीत वाद्य, जिसे हिंदू-मुस्लिम गान-वाद्यों का सबसे श्रेष्ठ मिश्रण माना गया है — सितार

★ संगीत यंत्र 'तबला' का प्रचलन किया — अमीर खुसरो ने

★ जयचंद्र गहड़वाल, पृथ्वीराज चौहान, राणा कुंभा तथा मानसिंह में से वह राजपूत राजा जो संगीत पर एक पुस्तक के लेखक के रूप में जाना जाता है — राणा कुंभा

★ सुमेलित हैं—

नाम	ग्रंथ (संगीत)
राणा कुंभा	— संगीतराज
काशीनाथ शास्त्री अप्पा तु भाषी	— रागचंद्रिका
पुंडरीक विठ्ठल	— रागमाला
कृष्णानंद व्यास	— राग कल्पद्रुम

★ दिल्ली का वह सुल्तान जिसे अपना संस्मरण लिखा था — फिरोज तुगलक

दिल्ली सल्तनत : विविध

★ भारत में पोलो खेल का प्रचलन किया

— तुर्कों ने

★ सुमेलित हैं—

सूची-I

सूची-II

फिरोज तुगलक	—	नहरों का निर्माण
बलबन	—	नौरोज
अलाउद्दीन	—	दीवान-ए-रिवास्त
जहांगीर	—	सर थामस रो

★ यात्रियों के पधारने का सही अनुक्रम है

— अलबरूनी, इब्नबतूता, ट्रेवर्निबर, मनूची

★ 'दस्तार बन्दान' कहलाते थे

— उलेमा

★ शासकों का सही क्रम है

— रजिया सुल्तान, अलाउद्दीन खिलजी, अकबर

★ सुमेलित हैं—

बहादुरशाह	—	गुजरात
चांद बीबी	—	बीजापुर
रजिया सुल्तान	—	दिल्ली
बाज बहादुर	—	मालवा

★ घटनाओं का सही क्रम है

— कुतुबमीनार का निर्माण, फिरोज तुगलक की मृत्यु, पुर्तगालियों का भारत आगमन, कृष्णदेव राय का शासन

★ "अपने लगभग तीस वर्ष के व्यापक यात्री जीवन में उसने पूर्वी गोलार्द्ध के विस्तृत भू-भाग की यात्रा की, उस विशाल भू-भाग को देखा जिसमें आज कोई 44 देश आते हैं और कुल मिलाकर लगभग 73000 मील की दूरी चलकर पार की।"

पूर्व-आधुनिक काल का संसार का सबसे बड़ा वह यात्री, जिसका वर्णन ऊपर के अवतरण में है — इब्नबतूता

★ सुमेलित हैं—

कृष्णदेव राय	:	अमुक्तमालवद
महेंद्रवर्मन	:	मत्तविलासप्रहसन
भोजदेव	:	समरांगणसूत्रधार
सोमेश्वर	:	मानसोल्लास

★ सती प्रथा, बात विवाह तथा जौहर प्रथा में से वह प्रथा जिसकी शुरुआत राजपूतों के समय में हुई — जौहर प्रथा

★ मातधर बसु, हेमचंद्र सूरी, पार्थसारथी तथा सावण जैसे मध्यकालीन विद्वानों/लेखकों में वह, जो जैन धर्म का अनुयायी था — हेमचंद्र सूरी

सन-साफ़ लिखें घटना बरक

* सुमेरित हैं-

सूची-I	सूची-II
प्लासी का युद्ध	- 1757 ईस्वी सन
कलिंग का युद्ध	- 261 ईस्वी पूर्व
हल्दीघाटी का युद्ध	- 1576 ईस्वी सन
तराईन का युद्ध	- 1192 ईस्वी सन

* सुमेरित हैं-

सूची-I	सूची-II
अकबर	- आइन-ए-दहसाला
मुहम्मद तुगलक	- प्रतीक मुद्रा
इल्तुतमिश	- चहलमानी अमीर
शेरशाह	- सड़क-ए-आजाम

* तेरहवीं और चौहदवीं शताब्दियों में भारतीय कृषक, खेती नहीं करता था
- मरका की

उत्तर भारत एवं दक्कन के प्रांतीय राजवंश

* जौनपुर नगर स्थापित किया गया

- मुहम्मद बिन तुगलक की स्मृति में

* जौनपुर नगर की स्थापना की थी - फिरोज शाह तुगलक ने

* शर्की सुल्तानों के शासनकाल में 'पूर्व का शिराज' कहा जाता था

- जौनपुर को

* कश्मीर का शासक जो 'कश्मीर का अकबर' नाम से जाना जाता है

- जैनुत (जैन-उल) आबेदीन

* जैन-उल-आबेदीन, मुहम्मद बिन तुगलक, हुसैन शाह शर्की तथा अकबर में से वह शासक जिसने सर्वप्रथम जज़िया कर समाप्त किया था

- जैन-उल-आबेदीन

* जैन-उल-आबेदीन द्वारा पूरी की गई कश्मीर की जामा मस्जिद की प्रभावकारी विशेषता में शामिल हैं

- बुर्ज, बौद्ध पगोडाओं से समान, फारसी शैली

* मुनि सुंदर सूरि, नाथा, टिल्ला भट्ट तथा मुनि जिन विजय सूरि में से वह विद्वान जो कुंभा के दरबार में नहीं था - मुनि जिन विजय सूरि

* सुमेरित हैं-

मध्यकालीन भारतीय राज्य	वर्तमान क्षेत्र
चंपक	चंबा (हिमाचल)
दुर्गर	जम्मू
कुल्लू	कुल्लू (हिमाचल)

* बहमनी राज्य की स्थापना की थी - अलाउद्दीन हुसैन ने

* बहमनी राज्य की स्थापना हुई थी - 1347 ई. (14वीं सदी) में

* बहमनी राज्य की प्रथम राजधानी थी - गुलबर्ग

* सुमेरित हैं-

सूची-I	सूची-II
आदिलशाही	- बीजापुर
कुतुबशाही	- गोलकुंडा
निजामशाही	- अहमदनगर
शर्कीशाही	- जौनपुर

* मुस्लिम शासकों में वह, जिसे उसकी धर्मनिरपेक्षता (Secularism) में आस्था के कारण उसकी मुस्लिम प्रजा 'जगतगुरु' कहकर पुकारती थी
- इब्राहिम आदिल शाह

* अहमदनगर के निजाम शाही वंश का अंत हुआ

- अहमदनगर को मुगल साम्राज्य में मिलाकर हुसैन शाह को आजीवन कारावास दिया गया।

* सुमेरित हैं-

बाजबहादुर	- मालवा
कुतुबशाह	- गोलकुंडा
सुल्तान मुजफ्फर शाह	- गुजरात
यूसुफ आदिल शाह	- बीजापुर

* गोलकुंडा को वर्तमान में कहा जाता है - हैदराबाद

* सुमेरित हैं-

काकतीय	- वारंगल
होयसल	- द्वारसमुद्र
यादव	- देवगिरि
पाण्ड्य	- मदुरा

* 'द्वारसमुद्र' राजधानी थी - होयसल राजवंश की

* होयसल स्मारक (Hoysala Monuments) पाए जाते हैं

- हलेबिड और बेतूर में

* होयसलों की प्राचीन राजधानी द्वारसमुद्र का वर्तमान नाम है

- हलेबिड

* वह स्मारक जिसमें वह गुंबद है, जो संसार के विशालतम गुंबदों में से एक है - गोल गुंबद, बीजापुर

* सुमेरित हैं-

स्मारक	शासक
दोहरा गुंबद	- सिकंदर लोदी
अष्टभुजीय मकबरा	- शेरशाह
सत्य मेहराबीय मकबरा	- बलबन
गोल गुंबद	- मुहम्मद आदिल शाह

* गूजरी महल बनवाया था - मानसिंह ने

* दक्षिण भारत के 'पोलिगार' थे - क्षेत्रीय प्रशासकीय और सैन्य नियंत्रक

भक्ति और सूफी आंदोलन

- * भक्ति आंदोलन का प्रारंभ किया गया था — आलवार संतों द्वारा
- * भक्ति संस्कृति का भारत में पुनर्जन्म हुआ — पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी ईस्वी में
- * बुद्ध और गीराबाई के जीवन दर्शन में मुख्य साम्य था — संसार दुःखपूर्ण है
- * “कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति से उसका धर्म-संप्रदाय या जाति न पूछे।” यह कथन है — रामानंद का
- * सभी भक्ति संतों के मध्य एक समान विशेषता थी कि उन्होंने — अपनी वाणी को उसी भाषा में लिखा जिसे उनके भक्त समझते थे
- * मध्ययुगीन भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में सूफी संत जिस तरह के आचरण का निर्वाह करते थे, वे हैं — ध्यानसाधना और श्वास-नियमन, एकल में कठोर यौगिक व्यायाम, श्रोताओं में आध्यात्मिक हर्षोन्माद उत्पन्न करने के लिए पवित्र गीतों का गायन
- * कामरूप में वैष्णव धर्म को लोकप्रिय बनाया — शंकरदेव ने
- * असम एवं कूच बिहार में वैष्णव धर्म का प्रवर्तन किया — शंकरदेव ने
- * रामानुजाचार्य संबंधित हैं — विशिष्टाद्वैत से
- * ‘शुद्ध अद्वैतवाद’ का प्रतिपादन किया था — वल्लभाचार्य ने
- * ‘महाप्रभु वल्लभाचार्य’ की जन्मस्थली है — चम्पारण्य में
- * सुमेलित हैं

अद्वैतवाद	—	शंकराचार्य
विशिष्टाद्वैतवाद	—	रामानुज
द्वैतवाद	—	मध्वाचार्य
द्वैतद्वैतवाद	—	निम्बार्काचार्य
- * सही कथन है — ‘बीजक’ कबीर के उपदेशों का एक संकलन है। पुष्टिमार्ग के दर्शन को वल्लभाचार्य ने प्रतिपादित किया।
- * दादू, कबीर, रामानंद, तुलसीदास में से वह भक्ति संत जिसने अपने संदेश के प्रचार के लिए सबसे पहले हिंदी का प्रयोग किया— रामानंद
- * कबीर शिष्य थे — रामानंद के
- * मध्यकालीन भारत के कुम्भनदास, रामानंद, रैदास तथा तुलसीदास में से वह संत जिसका जन्म प्रयाग में हुआ था — रामानंद
- * कबीर एवं धरमदास के मध्य संवादों के संकलन का शीर्षक है — अमरमूल
- * मल्लूकास एक संत कवि थे — कड़ा के
- * संत घासीदास के पिताजी का नाम था — महंगू
- * सही कालानुक्रम है — शंकराचार्य-रामानुज-चैतन्य
- * भक्ति संतों का सही कालानुक्रम है — कबीर (1398-1518), गुरुनानक (1469-1539), चैतन्य (1486-1534), गीराबाई (1498-1557)
- * भगवान शिव की प्रतिष्ठा में स्थापित हैं — 12 ज्योतिर्लिंग
- * रामानुज के अनुयायियों को कहा जाता है — वैष्णव
- * अमृतसर, नामा, ननकाना तथा नांदेरा में से वह स्थान जो गुरु नानक का जन्म स्थल था — ननकाना
- * वह शासक, जिसके शासन में गुरु नानक देव ने सिक्ख धर्म की स्थापना की — सिक्खंदर लोदी
- * ‘ईश्वर केवल मनुष्य के सद्गुण को पहचानता है तथा उसकी जाति नहीं पूछता; आगामी दुनिया में कोई जाति नहीं होगी।’ यह सिद्धांत है — नानक का
- * गीराबाई समकालीन थीं — तुलसीदास के
- * प्रसिद्ध भक्त कवयित्री गीरा के पति का नाम था — राजकुमार भोजराज
- * ‘राग-गेविंद’ के रचनाकार हैं — गीराबाई
- * दिए गए संतों का सही कालक्रम है — नामदेव, कबीर, नानक, गीराबाई
- * चैतन्य, गीराबाई, नामदेव तथा वल्लभाचार्य में से वह, जो इस्लाम से प्रभावित था — नामदेव
- * वह, जो उस समय उपदेश देता था, जब लोदी वंश का पतन हुआ तथा बाबर सत्तारूढ़ हुआ — गुरु नानक
- * सुमेलित हैं—

नामदेव	—	दर्जी
कबीर	—	जुलाहा
रविदास	—	मोची
सेना	—	नाई
- * चैतन्य महाप्रभु संबद्ध हैं — वैष्णव संप्रदाय से
- * तुलसीदास समकालीन थे — अकबर तथा जहांगीर के
- * ‘रामचरित मानस’ नामक ग्रंथ के रचयिता थे — तुलसीदास
- * गीतावली, कवितावली, विनयपत्रिका तथा साहित्य रत्न में से वह रचना, जो संत तुलसीदास की नहीं है — साहित्य रत्न
- * वरकरी संप्रदाय का संत था — नामदेव
- * भक्त तुकाराम जिस मुगल सम्राट के समकालीन थे, वह है— जहांगीर
- * नामार्जुन, तुकाराम, त्यागराज तथा वल्लभाचार्य में से वह, जो भक्ति आंदोलन का प्रस्तावक नहीं था — नामार्जुन
- * भारत में चिश्तिया संप्रदाय का प्रथम सूफी संत था — शेख मुइनुद्दीन चिश्ती

सन-साफ़िकर घटना काल

- * शेख मुइनुद्दीन चिश्ती, शेख कुतुबुद्दीन बख्शियार काकी, शेख निजामुद्दीन औलिया तथा शेख सलीम चिश्ती सूफी संतों में से वह, जो सर्वप्रथम अजमेर में बस गए थे — **शेख मुइनुद्दीन चिश्ती**
- * शेख मुइनुद्दीन, शेख जियाउद्दीन अबुलजीवा, ख्वाजा अबु-अब्दाल एवं ख्वाजा बहाउद्दीन में से वह, जो सूफीवाद की चिश्तिया शाखा का संस्थापक था — **ख्वाजा अबु-अब्दाल**
- * ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती शिष्य थे — **ख्वाजा उस्मान हरुनी के**
- * अजमेर में ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर नजर (भेंट) भेजने वाले प्रथम मराठा सरदार थे — **राजा साहू (शिवाजी के पौत्र)**
- * शेख निजामुद्दीन औलिया शिष्य थे — **बाबा फरीद के**
- * शेख निजामुद्दीन औलिया की दरगाह स्थित है — **दिल्ली में**
- * **कथन (A) :** भारत में सूफियों के चिश्ती धर्मसंघ का प्रवर्तक और सर्वप्रमुख व्यक्ति, ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती है।
कारण (R) : चिश्ती धर्मसंघ ने अपना नाम अजमेर में स्थित ग्राम चिश्त से लिया है। — **A सही है, परंतु R गलत है।**
- * वह सूफी संत जिसकी मान्यता थी कि भक्ति संगीत ईश्वर के निकट पहुंचने का एक साधन है — **मुइनुद्दीन चिश्ती**
- * ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्शियार काकी, शेख अब्दुल जिलानी, शेख मुइनुद्दीन तथा शेख निजामुद्दीन औलिया में से वह, जो चिश्ती सिलसिले से संबद्ध नहीं है — **शेख अब्दुल जिलानी**
- * 'भारत का सादी' कहा गया है — **अमीर हुसन को**
- * जलालुद्दीन खिलजी, अलाउद्दीन खिलजी, गयासुद्दीन तुगलक तथा मुहम्मद बिन तुगलक में से, वह सुल्तान जिससे निजामुद्दीन औलिया ने भेंट करने से इंकार कर दिया था — **अलाउद्दीन खिलजी**
- * वह सूफी संत जो 'महबूब-ए-इलाही' कहलाता था — **शेख निजामुद्दीन औलिया**
- * शेख फरीद का सर्वाधिक ख्यातिलब्ध शिष्य, जिसने दिल्ली के सात सुल्तानों का शासन देखा था — **निजामुद्दीन**
- * शेख मुइनुद्दीन चिश्ती, कुतुबुद्दीन बख्शियार काकी, फरीदुद्दीन-गंज-ए-शकर तथा शेख निजामुद्दीन औलिया में से वह सूफी संत जिसके विचारों को सिखों के धर्म ग्रंथ 'आदि ग्रंथ' में संकलित किया गया है — **फरीदुद्दीन-गंज-ए-शकर**
- * प्रसिद्ध संत सलीम चिश्ती रहते थे — **फतेहपुर सीकरी में**
- * 'शेख-उल्-हिंद' की पदवी प्रदान की गई थी— **शेख सलीम चिश्ती को**
- * सुमेलित हैं—

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती	—	चिश्तियां
शेख अहमद सरहिन्दी	—	नक्शबंदिया
दारा शिकोह	—	कादिरिया
शेख शहाबुद्दीन	—	सुहरावर्दिया

- * भारतीय इतिहास में सूफीवाद के संदर्भ में सही कथन हैं—
 — **शेख अहमद सरहिन्दी अकबर एवं जहांगीर का समकालीन था।**
शेख नसीरुद्दीन चिराम-ए-दिल्ली शेख निजामुद्दीन औलिया का शिष्य था।
अकबर शेख सलीम चिश्ती का समकालीन था।
भारत में सूफियों की कादिरि पद्धति सबसे पहले शेख नियामतुल्ला और मखदूम मुहम्मद जिलानी द्वारा लागू की गई।
- * रहीम, निजामुद्दीन औलिया, मुइनुद्दीन चिश्ती एवं रसखान में से, वह जो सूफी थे — **निजामुद्दीन औलिया एवं मुइनुद्दीन चिश्ती**
- * चिश्तिया, सुहरावर्दिया, कादिरिया तथा नक्शबंदिया सूफीवाद के सिलसिलों में, वह जो संगीत के विरुद्ध था — **नक्शबंदिया**
- * शाह मोहम्मद गौस, शाह अब्दुल अजीज, शाह वलीउल्ला तथा ख्वाजा मीर दर्द सूफियों में से वह जिसने कृष्ण को औलिया के रूप में माना — **शाह मोहम्मद गौस**
- * उलेमा, खानकाह, शेख तथा समा में से वह जिसका संबंध सूफीवाद से नहीं है — **उलेमा**
- * कृष्ण जीवनपरक 'प्रेम वाटिका' काव्य की रचना की थी — **रसखान ने**
- * वल्लभाचार्य, चैतन्य, गुरु नानक तथा अमीर खुसरो में से वह जो भक्ति आंदोलन से जुड़ा नहीं है — **अमीर खुसरो**
- * 'बारहमासा' की रचना की थी — **मलिक मोहम्मद जायसी ने**
- * प्रति वर्ष प्रसिद्ध सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की मजार पर मेला लगता है — **देवा शरीफ में**
- * क्राइस्ट का जन्म स्थान — **बेथलेहम**
- * ईस्टर त्यौहार के पीछे ईसाइयों की भावना है — **इस दिन ईसा पुनर्जीवित हुए**
- * वह ईसाई संत जो पशु-पक्षियों से प्रेम के लिए विख्यात है — **असीसी के संत फ्रांसिस**
- * ईसाइयों का गुडफ्राइडे मनाया जाता है — **ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाये जाने के स्मरण में**

मुगल वंश : बाबर

- * मध्यकालीन भारत के मुगल शासक वस्तुतः थे — **चंगतई तुर्क**
- * बाबर को सर-ए-पुल के युद्ध में पराजित किया था — **शैबानी खां ने**
- * पानीपत का प्रथम युद्ध हुआ था— **बाबर और इब्राहिम लोदी के मध्य**
- * पानीपत के युद्ध में बाबर की जीत का मुख्य कारण था — **उसकी सैन्य कुशलता**
- * पानीपत का प्रथम युद्ध, खान्वा का युद्ध, प्लासी का युद्ध तथा पानीपत का तीसरा युद्ध में से वह युद्ध जिसमें एक पक्ष द्वारा प्रथम बार तोपों का उपयोग किया गया था — **पानीपत का प्रथम युद्ध**
- * बाबर की इब्राहिम लोदी पर विजय का कारण था — **तोपखाना**

सम-सांख्यिक पटना

- * बाबर ने सुल्तान इब्राहिम लोदी को पानीपत की लड़ाई में पराजित किया
— 1526 ई. में

* सुमेलित है—

पानीपत का प्रथम युद्ध	:	1526
खानवा का युद्ध	:	1527
घाघरा का युद्ध	:	1529
चंदेरी का युद्ध	:	1528

- * बाबर के भारत में आने के फलस्वरूप
— इस क्षेत्र में तैमूरी (तिमूरिद) राजवंश स्थापित हुआ।
- * पानीपत का युद्ध, खानवा का युद्ध एवं चंदेरी का युद्ध में से वह, जिसमें बाबर ने 'जेहाद' की घोषणा की थी — खानवा का युद्ध
- * मेवाड़ का राजा जिसे 1527 में खानवा के युद्ध में बाबर ने हराया था
— राणा सांगा
- * भारत का मुगल शासक बनने पर जहीरुद्दीन मोहम्मद ने नाम रखा।
— बाबर
- * बाबर ने सर्वप्रथम 'पादशाह' की पदवी धारण की थी — काबुल में
- * बाबर के साम्राज्य में सम्मिलित थे
— काबुल का क्षेत्र, पंजाब का क्षेत्र, अधुनिक उत्तर प्रदेश का क्षेत्र
- * वह मुगल सम्राट जिसके जीवन से धैर्य व संकल्प से सफलता की शिक्षा मिलती है
— जहीरुद्दीन मोहम्मद बाबर
- * बाबर ने अपने 'बाबरनामा' में जिन हिंदू राज्य का उल्लेख किया, वह हैं
— मेवाड़ एवं विजयनगर
- * कथन (A) : बाबर ने 'बाबरनामा' तुर्की में लिखा।
कारण (R) : तुर्की मुगल दरबार की राजभाषा थी।
— A सही है, पर R गलत है।
- * 'तुजुक-ए-बाबरी' लिखा गया था — तुर्की भाषा में
- * अयोध्या स्थित बाबरी मस्जिद का निर्माण कराया था — मीर बाकी ने

हुमायूं और शेरशाह

- * कामरान, उस्मान, अस्करी तथा हिन्दाल में से वह जो हुमायूं का भाई नहीं था — उस्मान
- * हुमायूं द्वारा लड़े गए चार प्रमुख युद्धों का तिथि अनुसार सही क्रम है
— दौराह चौसा, कन्नौज, सरहिन्द
- * फरीद, जो बाद में शेरशाह सूरी बना, ने शिक्षा प्राप्त की थी
— जौनपुर से
- * बलबन, अलाउद्दीन खिलजी, इब्राहिम लोदी तथा शेरशाह मध्ययुगीन शासकों में से वह, जो उच्च शिक्षित था — शेरशाह
- * बहलोल लोदी, सिकंदर लोदी, शेरशाह सूरी तथा इस्लाम शाह सूरी में से वह सुल्तान जिसने पहले "हजरते आला" (Hazrat-e-Ala) की उपाधि अपनाई और बाद में 'सुल्तान' की — शेरशाह सूरी

- * शेरशाह सूरी द्वारा किए गए सुधारों में सम्मिलित थे
— राजस्व सुधार, प्रशासनिक सुधार, सैनिक सुधार, करेंसी प्रणाली में सुधार
- * दिल्ली सल्तनत के पराभव के उपरान्त वह शासक जिसके द्वारा स्वर्ण मुद्रा का सर्वप्रथम प्रचलन किया गया — हुमायूं
- * हुमायूं ने चुनार दुर्ग पर प्रथम बार आक्रमण किया — 1532 ई. में
- * अपने बादशाह पति के लिए मकबरे का निर्माण करवाया था
— हाजी बेगम ने
- * चांदी का सिक्का शुरू किया — शेरशाह ने
- * शेरशाह के अंतर्गत तांबे के दाम और चांदी के रुपया की विनिमय दर थी
— 64:1
- * शेरशाह सूरी की मृत्यु हुई — कलिंगर में
- * "मात्र एक मुड़ी बाजरे के चक्कर में मैंने अपना साम्राज्य खो दिया होता।" यह कथन संबद्ध है — शेरशाह से
- * शेरशाह का मकबरा है — सासाराम में
- * शेरशाह ने निर्माण करवाया था
— दिल्ली की किला-ए-कुहना मस्जिद का
- * दिल्ली में 'पुराना किला' के भवनों का निर्माण किया था
— शेरशाह ने
- * कृषकों की सहायता के लिए जिस मध्यकालीन भारतीय शासक ने पट्टा एवं कबूतबत की व्यवस्था प्रारंभ की थी, वह है — शेरशाह

अकबर

- * काबुल, लाहौर, सरहिंद तथा कालानौर में से वह स्थान, जहां पर अकबर को हुमायूं की मृत्यु की सूचना मिलने पर राजगद्दी पर बैठाया गया था — कालानौर
- * हल्दी घाटी के युद्ध के पीछे अकबर का मुख्य उद्देश्य था
— राणा प्रताप को अपने अधीन लाना
- * हल्दी घाटी का युद्ध हुआ था — 1576 ई. में
- * हल्दी घाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप की सेना के सेनापति थे
— हकीम खान
- * अकबर ने सर्वप्रथम वैवाहिक संबंध राजपूतों के जिस गृह से स्थापित किए, वह था — कछवाहों से
- * विश्वी संत की दरगाह जहां पर अकबर दर्शन हेतु अविक जाता था
— मुइनुद्दीन विश्वी
- * अकबर, बैरम खां, बाज बहादुर तथा पीर मुहम्मद खां में से वह, जिसे अकबर ने स्वयं मारा था — अकबर
- * राजपूताना का वह राज्य जिसने अकबर की संप्रभुता स्वयं स्वीकार नहीं की थी — मेवाड़

सम-साप्ताहिक घटना काल

- * वह राजपूत शासक जिसने मुगलों के विरुद्ध निरंतर स्वतंत्रता का संघर्ष जारी रखा और समर्पण नहीं किया — मारवाड़ के राव चंद्रसेन
- * अकबर के साथ युद्ध करने वाली दुर्गावती रानी थी — मंडला अथवा गोंडवाना की
- * अकबर को राष्ट्रीय सम्राट सिद्ध करने में सहायक तथ्य है — प्रशासकीय एकता और कानूनों की एकरूपता सांस्कृतिक एकता का प्रयत्न एवं उसकी धार्मिक नीति
- * अकबर की लोकप्रियता के कारण थे — मनसबदारी प्रथा, धार्मिक नीति, भू-राजस्व व्यवस्था, सामाजिक सुधार
- * वह मुस्लिम शासक जिसने तीर्थयात्रा-कर समाप्त कर दिया था — अकबर
- * बाबर, हुमायूँ, अकबर तथा औरंगजेब बादशाहों में से वह जिसको 'प्रबुद्ध निरंकुश' कहा जा सकता है — अकबर
- * अकबर का शासन जाना जाता है —
— क्षेत्रों को जीतने के लिए, अपनी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए, न्यायिक प्रशासन के लिए
- * अकबर के शासनकाल में पुनर्गठित केंद्रीय प्रशासन तंत्र के अंतर्गत सैनिक विभाग का प्रमुख था — मीर बख्शी
- * अकबर कालीन सैन्य व्यवस्था आधारित थी — मनसबदारी
- * अकबर द्वारा दीवान का पूर्णरूपेण दर्जा दिया जाने वाला प्रथम व्यक्ति था — मुजफ्फर खां तुरवती
- * अकबर ने जिस मनसबदारी प्रणाली को लागू किया वह उधार ली गई थी — मंगोलिया में प्रचलित प्रणाली से
- * कथन (A) : अकबर के काल में, हर दस घुड़सवार सैनिकों के लिए मनसबदारों को बीस घोड़ों का रखरखाव करना पड़ता था।
कारण (R) : घोड़ों को यात्रा में आराम देना होता था और युद्ध के समय उनको बदलना आवश्यक होता था।
— A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
- * टोडरमल ने ख्याति अर्जित की थी — भू-राजस्व के क्षेत्र में
- * जाबती, दहसाला, नसक तथा कानकुट में से वह कर-व्यवस्था जिसे बंदोबस्त व्यवस्था के नाम से भी जाना जाता है — दहसाला
- * टोडरमल संबंधित थे — मालगुजारी सुधारों से
- * भू-राजस्व प्रशासन के क्षेत्र में शेरशाह एवं अकबर के मध्य बीरबल, टोडरमल, भगवानदास तथा भारमल में से वह, जो नैरन्तर्य की कड़ी था — टोडरमल
- * अकबर काल में भू-राजस्व व्यवस्था की एक प्रसिद्ध नीति 'आइन-ए-दहसाला' पद्धति निर्मित की गई थी — टोडरमल द्वारा
- * अकबर ने 'दीन-ए-इलाही' प्रारंभ किया — 1582 में
- * 'दीन-ए-इलाही' का प्रचार किया था — अकबर ने
- * वह इतिहासकार जिसने 'दीन-ए-इलाही' को एक धर्म कहा — अब्दुल कादिर बदायूनी
- * इबादत खाने का निर्माण करवाया — अकबर ने
- * फतेहपुर सीकरी का इबादतखाना था — वह भवन जिसमें विभिन्न धर्मों के विद्वानों के साथ अकबर चर्चा करता था
- * स्वर्ण महल, पंचमहल, जोधाबाई महल एवं अकबरी महल में से वह स्मारक जो फतेहपुर सीकरी में नहीं है — अकबरी महल
- * दिल्ली में स्थित वह ऐतिहासिक स्मारक जो भारतीय तथा फारसी वास्तुकला शैली का उदाहरण है — हुमायूँ का मकबरा
- * सुलह-ए-कुत का सिद्धांत प्रतिपादित किया गया था — अकबर द्वारा
- * अकबर द्वारा अपनाई गई 'सुलह-ए-कुत' (सार्वभौम शांति तथा भाईचारा) की अवधारणा आधारित थी — राजनीतिक उदारता, धार्मिक सहनशीलता एवं उदारवादी सांस्कृतिक दृष्टिकोण पर
- * वह मुगल बादशाह जिसके विरुद्ध जौनपुर से 'फतवा' जारी हुआ था — अकबर
- * कथन (A) : अकबर ने 1602 में फतेहपुर सीकरी में 'बुलंद दरवाजा' बनवाया।
कारण (R) : यह निर्माण अकबर ने अपने पुत्र जहांगीर के जन्म की खुशी में बनवाया।
— A सही है, परंतु R गलत है।
- * बुलंद दरवाजा, जामा मस्जिद, कुतुबमीनार तथा ताजमहल में से वह इमारत, जिसका निर्माण अकबर ने करवाया था — बुलंद दरवाजा
- * जहांगीर, शाहजहां, हुमायूँ तथा अकबर में से वह मुगल सम्राट जिसने शिक्षा संबंधी सुधार किए थे — अकबर
- * अकबर द्वारा बनवाई गई श्रेष्ठतम इमारतें पाई जाती हैं — फतेहपुर सीकरी में
- * अकबर द्वारा बनाई गई वह इमारत जिसका नक्शा बौद्ध विहार की तरह है — पंच महल
- * जहांगीर महल स्थित है — आगरा में
- * अकबर का मकबरा स्थित है — सिकंदरा में
- * दिल्ली का लाल किला, आगरा का किला, इलाहाबाद का किला एवं लाहौर का किला में से वह किला जिसका निर्माण अकबर के राज्य काल में नहीं कराया गया था — दिल्ली का लाल किला
- * सुमेलित हैं—
बाबर (1526-30) — काबुल
अकबर (1556-1605) — सिकंदरा
जहांगीर (1605-1627) — लाहौर
शाहजहां (1627-1658) — आगरा

सम-सांख्यिक घटना का

- * अकबर के काल में महाभारत का फारसी अनुवाद जिसके निर्देशन में हुआ, वह है — फैजी
- * अब्दुल क़ादिर बदायूनी, अबुल फजल, निजामुद्दीन अहमद तथा शेख मुबारक में से वह, जिसने महाभारत का फारसी में अनुवाद किया था — अब्दुल क़ादिर बदायूनी
- * महाभारत के फारसी अनुवाद का शीर्षक है — रज्जनामा
- * वह, जो अकबर की इच्छानुसार रामायण का फारसी में अनुवाद किया था — अब्दुल क़ादिर बदायूनी
- * मुहम्मद हुसैन, मुकम्मल खां, अब्दुस्समद, मीर सैयद अली में से वह जिसे सम्राट अकबर द्वारा 'जरी कलम' की उपाधि प्रदान की गई थी — मुहम्मद हुसैन
- * जैन साधु जो अकबर के दरबार में कुछ वर्ष रहा और जिसे जगद्गुरु की उपाधि से सम्मानित किया गया — हरिविजय सूरि
- * अबुल हसन, दसवंत, किशनदास एवं उस्ताद मंसूर में से वह जो मुगल सम्राट अकबर के समय का प्रसिद्ध चित्रकार था — दसवंत
- * इंग्लैंड की रानी एलिजाबेथ प्रथम का समकालीन भारतीय राजा था — अकबर
- * वह मध्यकालीन भारतीय लेखक जिसने अमेरिका की खोज का उल्लेख किया है — अबुल फजल
- * अकबर के दरबार में आने वाला पहला अंग्रेज व्यक्ति था— रॉल्फ फिंच
- * अकबर के शासनकाल घटनाओं का व्यवस्थित क्रम है — जजिया की समाप्ति, इबादतखाना का निर्माण, महजर पर हस्ताक्षर, दीन-ए-इलाही की स्थापना
- * अकबर ने बंगाल तथा बिहार को मुगल साम्राज्य में मिलाया — 1576 ई. में

जहांगीर

- * 'दो-अस्पा' एवं 'सिह-अस्पा' प्रथा शुरु की थी — जहांगीर ने
- * मुगल मनसबदारी व्यवस्था के संदर्भ सही कथन हैं — 'जात' एवं 'सवार' पद प्रदान किए जाते थे। मनसबदार आनुवंशिक नहीं होते थे। मनसबदारों के तीन वर्ग थे।
- * मुगलों एवं मेवाड़ के राणा के मध्य 'चित्तौड़ की संधि' जिस शासक के शासनकाल में हस्ताक्षरित हुई थी, वह है — जहांगीर
- * ईस्ट इंडिया कंपनी ने जहांगीर के दरबार में पहले भेजा था — हॉकिंस को
- * जहांगीर के दरबार में ब्रिटिश शासक जेम्स प्रथम का राजदूत था — विलियम हॉकिंस
- * जहांगीर ने 'खान' की उपाधि से सम्मानित किया था — हॉकिंस को
- * मुगल-सम्राट जहांगीर ने 'इंग्लिश खान' की उपाधि दी थी — विलियम हॉकिंस को

- * ब्रिटिश राजदूत के रूप में सर थॉमस रो भारत आया था — जहांगीर के शासनकाल में
 - * इंग्लैंड के जेम्स प्रथम के राजदूत सर थॉमस रो भारत आए थे — 1615 ई. में
 - * जहांगीर ने थॉमस रो को मिलने का अवसर दिया था — अजमेर में
 - * भारत में इंग्लैंड का वह दूत जो जहांगीर के पीछे अजमेर से मांडू आया — थॉमस रो
 - * एक डच पर्यटक, जिसने जहांगीर के शासनकाल का मूल्यवान विवरण दिया है, वह था — फ्रांसिस्को पेलसर्ट
 - * वह मुगल शासक जिनका मकबरा भारत में नहीं है — जहांगीर तथा बाबर
 - * सम्राट जहांगीर को दफन किया गया — लाहौर में
 - * मुगल चित्रकला अपनी पराकाष्ठा पर पहुंची — जहांगीर के राज्यकाल में
 - * जहांगीर ने नादिर-उज़्ज-जमां की पदवी दी थी — अबुल हसन को
 - * वह चित्रकार जिसे 'नादिर-उल-असर' की उपाधि प्रदान की गई — मंसूर
 - * जहांगीर के दरबार में पक्षियों का सबसे बड़ा चित्रकार था — मंसूर
 - * बाबर, अकबर, जहांगीर तथा औरंगजेब मुगल बादशाहों में वह जिसने अपनी आत्मकथा (Autobiography) फारसी में लिखी — जहांगीर
 - * अबुल फजल के हत्यारे को पुरस्कृत किया था — जहांगीर ने
 - * जहांगीर के विरुद्ध विद्रोह किया था — खुर्रम, महाबत खां एवं खुसरो ने
 - * खुसरो जिस मुगल बादशाह का पुत्र था, वह है — जहांगीर
 - * जहांगीर, गियास बेग, आसफ खां, खुर्रम में से वह जो नूरजहां के गुट का सदस्य नहीं था — खुर्रम
 - * ऐतमादुद्दौला का मकबरा आगरा में बनवाया था — नूरजहां ने
 - * सुमेतिता हैं—
- | निर्माता | स्मारक |
|----------|-------------------------------|
| बाबर | जामा मस्जिद (संभल) |
| हुमायूँ | दीन पनाह |
| अकबर | जहांगीरी महल |
| जहांगीर | अकबर के मकबरे को पूर्ण करवाना |
- * गोविंद महल, जो हिंदू वास्तुकला का अप्रतिम उदाहरण है, स्थित है — दतिया में
 - * सुमेतिता हैं—
- | | |
|--------------------------------|-----------------|
| अकबर का मकबरा | — सिफंदरा |
| जहांगीर का मकबरा | — शाहदरा |
| शेख सलीम चिश्ती का मकबरा | — फतेहपुर सीकरी |
| शेख निजामुद्दीन औलिया का मकबरा | — दिल्ली |

शाहजहां

- ★ ईरान के शाह और मुगल शासकों के बीच झगड़े की जड़ थी
— कंधार
- ★ कंधार वे निवल जाने से मुगल साम्राज्य को एक बड़ा धक्का पहुंचा
— सामरिक महत्व के केंद्र के दृष्टिकोण से (Strategic Stronghold)
- ★ शाहजहां के बल्ख अभियान का उद्देश्य था
— काबुल की सीमा से सटे बल्ख और बदखशा में एक मित्र शासक को लाना
- ★ वह जिसने बनारस एवं इलाहाबाद के तीर्थयात्रा कर की समाप्ति के लिए मुगल बादशाह के सामने बनारस के पंडितों का नेतृत्व किया था
— कवींद्राचार्य
- ★ कलीम, काशी, कुदसी तथा मुनीर में से वह जो शाहजहां के शासनकाल का 'राजकवि' था
— कलीम
- ★ मुमताज महल का असली नाम था
— अर्जुमंद बानो बेगम
- ★ हिंदू तथा ईरानी वास्तुकला का सर्वप्रथम समन्वय हमें देखने को मिलता है
— ताजमहल में
- ★ वह मुगल बादशाह जिसने दिल्ली की जामा मस्जिद का निर्माण करवाया
— शाहजहां
- ★ अकबर, जहांगीर, शाहजहां तथा औरंगजेब में से वह जिसने साम्राज्य की राजधानी आगरा से दिल्ली स्थानांतरित की
— शाहजहां
- ★ सुमेरित हैं—

स्मारक	निर्माता
अलाई दरवाजा	— अलाउद्दीन खिलजी
बुलंद दरवाजा, फतेहपुर सीकरी	— अकबर
मोती मस्जिद, आगरा	— शाहजहां
मोती मस्जिद, दिल्ली	— औरंगजेब
- ★ दिल्ली के लात किले का निर्माण करवाया था
— शाहजहां ने
- ★ उपनिषदों का फारसी में अनुवाद जिस मुगल सम्राट के शासनकाल में हुआ, वह है
— शाहजहां
- ★ शाहजहां ने 'शाह बुलंद इकबात' की पदवी दी थी— दारा शिकोह को
- ★ दारा शिकोह ने उपनिषदों का फारसी में अनुवाद किया था
— सिर-ए-अकबर शीर्षक के अंतर्गत
- ★ अमीर खुसरो, दारा शिकोह, अमीर हसन एवं शुजा में से हिंदू धर्मग्रंथों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुस्लिम था
— दारा शिकोह
- ★ वी.ए. स्मिथ, जे.एन. सरकार तथा ए.एल. श्रीवास्तव में वह इतिहासकार जिसने शाहजहां के शासनकाल को मुगलकाल का 'स्वर्ण युग' कहा है
— ए.एल. श्रीवास्तव

- ★ सुप्रसिद्ध 'कोहिनूर' हीरा शाहजहां को उपहार में दिया था
— मीर जुमला ने
- ★ वह मुगल बादशाह जिसने बलबन द्वारा प्रारंभ किया गया दरबारी रिवाज 'सिजदा' समाप्त कर दिया था
— शाहजहां
- ★ दारा शिकोह, मुराद बख्श, शाह शुजा तथा औरंगजेब में से वह जो शाहजहां के शासनकाल में अधिकांश समय तक दक्कन का गवर्नर रहा, था
— औरंगजेब

औरंगजेब

- ★ कथन (A) : मुगल गद्दी पर औरंगजेब शाहजहां का उत्तराधिकारी हुआ।
कारण (R) : ज्येष्ठ पुत्र के उत्तराधिकार के नियम का पालन किया गया।
— (A) सत्य है और (R) असत्य है
- ★ अकबर, जहांगीर, शाहजहां तथा औरंगजेब में से वह मुगल बादशाह जिसका दो बार राज्यभिषेक हुआ था
— औरंगजेब
- ★ धरमत का युद्ध लड़ा गया
— औरंगजेब तथा दारा शिकोह
- ★ औरंगजेब ने जोधपुर के शासक जसवंत सिंह को 1658 ई. के धरमत के युद्ध में पराजित किया था, धरमत स्थित है
— मध्य प्रदेश में
- ★ मुगल शहजादा जिसने श्रीनगर गढ़वाल में आश्रय लिया था
— सुलेमान शिकोह
- ★ औरंगजेब का वह पुत्र जिसने विद्रोह करके राजपूतों के विरुद्ध अपने पिता की स्थिति दुर्बल कर दी थी
— अकबर
- ★ वह मुगल सेनापति जिसके साथ शिवाजी ने 1665 ई. में पुरंदर की संधि पर हस्ताक्षर किए थे
— जयसिंह
- ★ वह मुगल बादशाह जिसको 'जिंदा पीर' कहा जाता था
— औरंगजेब
- ★ औरंगजेब ने बीजापुर की विजय की थी
— 1686 ई. में
- ★ औरंगजेब ने दक्षिण में, जिन दो राज्यों को विजय किया था, वह थे
— बीजापुर एवं गोतकुंडा
- ★ वह बादशाह जिसके अंतर्गत मुगल सेना में सर्वाधिक हिंदू सेनापति थे
— औरंगजेब
- ★ मुगल सम्राट जिसने सर्वाधिक संख्या में हिंदू अधिकारियों की नियुक्ति की थी
— औरंगजेब
- ★ 'जजिया' जिसके शासनकाल में पुनः लगाया गया था, वह शासक है
— औरंगजेब
- ★ औरंगजेब द्वारा चलाए 'जिहाद' का अर्थ है
— दारुल-इस्लामी

सम-सामयिक पटना पत्र

- * 'बीबी का मकबरा' का निर्माता था — औरंगजेब
- * वह मकबरा जो 'द्वितीय ताजमहल' कहलाता है — राबिया-उद्-दौरानी का मकबरा
- * जहांआरा, रोशन आरा, गौहर आरा तथा मेहरुन्निसा में से वह जो सम्राट औरंगजेब की पुत्री थी — मेहरुन्निसा
- * औरंगजेब ने 'साहिबात-उज़-ज़मानी' की उपाधि प्रदान की — जहांआरा को
- * संत रामदास को संबंधित किया जाता है — औरंगजेब के शासनकाल से

- * (A) सभी मनसबदार सेना के पदाधिकारी नहीं होते थे।
- (B) मुगल शासन के अधीन उच्च पदाधिकारी भी मनसबदार होते थे, और उनका वर्गीकरण होता था। — (A) एवं (B) दोनों ही सही हैं।
- * भोज, सिद्धराज जयसिंह, जैन उल अलिदीन तथा अकबर में से वह जिसने रामसीता की आकृतियों और 'रामसीब' देवनगरी लेख से युक्त कुछ सिक्के चलाए — अकबर
- * मुगल शासन में तांबे का सिक्का कहलाता था — दाम
- * मध्यकाल में बंटाई शब्द का अर्थ था — लगान निर्धारण का तरीका

मुगलकालीन प्रशासन

- * मुगल प्रशासन के दौरान जिले को जाना जाता था — सरकार के नाम से
- * मुगलकाल में सेना का प्रधान था — मीर बख्शी
- * मुगल शासन में मीर बख्शी का कर्तव्य था — भू-राजस्व अधिकारियों का पर्यवेक्षण
- * बर्नियर, करेरी, मनुची तथा टैवर्नियर में से वह, जिसे मुगल सेना में चिकित्सक नियुक्त किया गया था — मनुची
- * मुगल प्रशासन में 'मुहत्सिब' था — लोक आचरण अधिकारी
- * मध्यकालीन भारत में मनसबदारी प्रथा खासतौर पर इसलिए चालू की गई थी, ताकि — साफ-सुथरा प्रशासन लागू हो सके
- * मुगल मनसबदारी व्यवस्था के विषय में सत्य है — इसमें 33 वर्ग थे। उन्हें 'मशरूत' अथवा सशर्त पद प्राप्त होते थे। उनका 'सवार' पद 'जात' पद से अधिक नहीं हो सकता था। समस्त कार्यकारी एवं सैन्य अधिकारियों को मनसब प्रदान किए जाते थे।
- * मुगलकालीन भारत में राज्य की आब का प्रमुख स्रोत था — भू-राजस्व
- * मुगल प्रशासनिक शब्दावली में 'मात' प्रतिनिधित्व करता है — भू-राजस्व का
- * मुगल सम्राट जिसने तंबाकू के प्रयोग पर निषेध लगाया था — जहांगीर
- * मुगल प्रशासन में 'मदद-ए-माश' इंगित करता है—
— विद्वानों को दी जाने वाली राजस्व मुक्त अनुदत्त भूमि
- * कथन (A) : मुगलकाल में मनसबदारी प्रथा विद्यमान थी।
कारण (R) : मनसबदारों का चयन योग्यता के आधार पर होता था।
— कथन सही है, परंतु कारण गलत है।

मुगलकालीन संगीत एवं चित्रकला

- * मुगल चित्रकला के विषय में सत्य कथन है — युद्ध-दृश्य, पशु-पक्षी और प्राकृतिक दृश्य तथा दरबारी चित्रण
- * चित्र कला की मुगल शैली का प्रारंभ किया था — हुमायूँ ने
- * चित्रकला की मुगल कलम भारतीय तथुचित्र कला की रीढ़ है। पहाड़ी, राजस्थानी, कांगड़ा तथा कालीघाट में से वह कलम जिस पर मुगल चित्रकला का प्रभाव नहीं पड़ा — कालीघाट
- * 'दास्तान-ए-अमीर हमजा' का चित्रांकन किया गया— अब्दुस्समद द्वारा
- * प्रसिद्ध जहांगीरी चित्रकार थे — अबुल हसन, उस्ताद मंसूर, फारुखबेग, बिशनदास, अकारिजा, मोहम्मद नदिर, मोहम्मदगुराद, मनेहर, माधव तथा गोवर्धन
- * मुगल चित्रकला ने उन्नति की — जहांगीर के शासनकाल में
- * 'पहाड़ी स्कूल', 'राजपूत स्कूल', 'मुगल स्कूल' और 'कांगड़ा स्कूल' विभिन्न शैलियों को दर्शाते हैं — चित्रकला की
- * 'किशनगढ़' शैली जिस कला के लिए प्रसिद्ध है, वह है — चित्रकला
- * वह एक संगीत वाद्य जिसे बजाने में औरंगजेब की दक्षता थी — वीणा
- * प्रातःकाल में गाया जाने वाला राग है — तोड़ी
- * तानसेन, बैजू बावरा और गोपाल नाथक जैसे संगीतज्ञों ने स्वामी हरिदास से प्रशिक्षण प्राप्त किया था। स्वामी हरिदास के अनुयायियों ने स्थापित किए हैं — 5 संगीत अर्चना केंद्र
- * अकबर के शासनकाल में ध्रुपद गायकों में सम्मिलित थे — तानसेन एवं हरिदास
- * प्रसिद्ध तानसेन का मकबरा स्थित है — आगरा में
- * तानसेन का मूल नाम था — रामतनु पांडेय
- * हुमायूँ, जहांगीर, अकबर तथा शाहजहाँ में से वह मुगल शासक जिसने लाला कलावंत से हिंदू संगीत की शिक्षा ली — अकबर

मुगलकालीन साहित्य

- * गुलबदन बेगम पुत्री थी — बाबर की
- * वह महिला जिसने मुगलकाल में ऐतिहासिक विवरण लिखे — गुलबदन बेगम
- * 'हुमायूँनामा' की रचना की थी — गुलबदन बेगम ने
- * दिल्ली का वह शिक्षा केंद्र जो मदरसा-ए-बेगम कहलाता था, स्थापित किया गया था — महम अनाम द्वारा
- * 'हिशोपदेश' का फारसी में अनुवाद किया था — ताजुल माली ने
- * सुमेरित हैं —
 - हसन निजामी — ताजुल मासिर
 - ख्वांदमीर — हुमायूँनामा
 - मुहम्मद कज़िन — आलमगीरनामा
 - भीम सेन — नुस्खा-ए-दिलकुशा
- * सही सुमेरित हैं—
 - आतमगीर नामा — मिर्जा मोहम्मद कज़िम
 - तबकते अकबरी — निजामुद्दीन अहमद
 - चहार चमन — चन्द्र भान ब्रह्मन
 - इकबाल नामा जहांगीरी — मुअतमद खां
- * अबुल फजल, फैजी, अब्दुरहीम खानखाना एवं अब्दुल कदिर बदायूनी में से वह, जिनका हिंदी साहित्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण योगदान है — अब्दुरहीम खानखाना
- * भारत के इतिहास के संदर्भ में अब्दुल हमीद लहौरी थे — शाहजहां के शासन के एक राजकीय इतिहासकार
- * शाहजहांनामा के लेखक हैं — इनायत खां
- * सुमेरित हैं—
 - बाबर — तुजुक-ए-बाबरी
 - गुलबदन बेगम — हुमायूँनामा
 - अब्बास खां शरवानी — तारीखे शेरशाही
 - निजामुद्दीन अहमद — तबकते अकबरी
- * 'अनवार-ए-सुहाइली' नामक ग्रंथ अनुवाद है — पंचतंत्र का
- * अबुल फजल द्वारा 'अकबरनामा' पूरा किया गया था — सात वर्षों में
- * मुगलकाल में दरबारी तथा अदालती भाषा थी — फारसी
- * नस्तालीक है — एक प्रकार की फारसी लिपि जो मध्यकालीन भारत में प्रयुक्त होती थी
- * कवि हृदय वह राजा जिसने नागरीदास के नाम से कृष्ण की प्रशंसा में छंद लिखे — राजा सावंत सिंह
- * महत्वपूर्ण कृतियाँ 'रामचंद्रिका' एवं 'रसिकप्रिया' की रचना की थी — केशव ने

मुगल काल : विविध

- * सही सुमेरित हैं—
 - जहांगीर — वित्तिबम हॉकिंस
 - अकबर — वित्तिबम फिच
 - शाहजहां — टेवर्नियर
 - औरंगजेब — मनुची
- * सही सुमेरित हैं—
 - हॉकिंस — 1608-1611
 - टामस रो — 1615-1619
 - मनुची — 1653-1708
 - रायफ फिश — 1585-1586
- * मुस्लिम शासकों का सही कालानुक्रम — जहांगीर, मुहम्मद शाह, अहमद शाह अब्दाली, बहादुर शाह-II
- * चार बाहरी आक्रमणों का व्यवस्थित क्रम है — चंगेज खां, तैमूर, नादिरशाह, अहमद शाह अब्दाली
- * सत्य कथन हैं —
 - अहमद शाह अब्दाली ने पानीपत का तृतीय युद्ध लड़ा, कुतुबुद्दीन ने दिल्ली सल्तनत की स्थापना की, औरंगजेब ने उत्तराधिकार का युद्ध लड़ा जहांगीर सौंदर्य तथा प्रकृति का प्रेमी था।
- * सुमेरित हैं—
 - नादिरशाह द्वारा दिल्ली में कत्लेआम — 1739
 - बाबर और इब्राहिम लोदी के बीच — 1526
 - पानीपत की पहली लड़ाई
 - हेमू और अकबर के बीच पानीपत का दूसरी लड़ाई — 1556
 - अहमद शाह अब्दाली और मराठों के बीच पानीपत की तीसरी लड़ाई — 1761
- * हेमचंद्र विक्रमादित्य भारतीय इतिहास में जाने जाते हैं — हेमू नाम से
- * सुमेरित हैं—
 - तराइन का दूसरा युद्ध - 1192
 - औरंगजेब की मृत्यु - 1707
 - पानीपत का तृतीय युद्ध - 1761
 - अकबर की मृत्यु - 1605
- * सही सुमेरित हैं—
 - हल्दी घाटी का युद्ध - अकबर (राणा प्रताप के विरुद्ध)
 - बिलग्राम का युद्ध - हुमायूँ (शेरशाह के विरुद्ध)
 - खुसरो का विद्रोह - जहांगीर
 - खानवा का युद्ध - बाबर (राणा सांगा के विरुद्ध)

सम-सांख्यिक पटना पत्र

* सुमेरित हैं-

सूची-I

1556

-

सूची-II

अकबर का राज्यारोहण

1600

-

ईस्ट इंडिया कंपनी को अधिकार-पत्र प्रदान किया

1680

-

शिवाजी का देहांत

1739

-

नादिर शाह का दिल्ली पर कब्जा

* सुमेरित हैं-

पानीपत का तृतीय युद्ध

-

1761 ई.

हल्दी घाटी का युद्ध

-

1576 ई.

तराइन का द्वितीय युद्ध

-

1192 ई.

असीरगढ़ का युद्ध

-

1601 ई.

* अता अली खां नाम था

- तानसेन का

* सुमेरित हैं-

सूची-I

इक्ता (Iqta)

जागीर (Jagir)

अमरम (Amaram)

मोकासा (Mokasa)

सूची-II

दिल्ली के सुल्तान

मुगल

विजयनगर

मराठे

* 'बाबुल मक्का' (मक्का द्वार) कहा जाता था

- सूरत को

* मुगलों ने नवरोज का त्यौहार लिया

- पारसियों से

* मुगलकाल में जिस मदरसे ने 'मुस्लिम न्याय-शास्त्र' की पढ़ाई में विधिष्ठता हासिल की, वह स्थित था

- लखनऊ में

* कालक्रमानुसार व्यवस्थित है

- पद्मिनी, दुर्गावती, ताराबाई, अहिल्याबाई

* सही सुमेरित हैं-

सूची-I

बबर

हुमायूँ

अकबर

जहांगीर

सूची-II

जमी मस्जिद (संभल)

दीन पनाह

जहांगीरी महल

एल्माद-उद-दौला का मकबरा

* सही सुमेरित हैं-

इमारतों

कुतुब मीनार

गोल गुंबद

बुलंद दरवाजा

मोती मस्जिद

शासकों

इल्तुतमिश

मुहम्मद आदिल शाह

अकबर

औरंगजेब

* मुगलकाल के युद्धों का सही कालक्रम है

- खानवा का युद्ध, घाघरा का युद्ध, चौसा का युद्ध, साम्प्रदाय का युद्ध

* सुमेरित हैं-

स्मारक

अलाई दरवाजा, दिल्ली

बुलंद दरवाजा, फतेहपुर सीकरी

मोती मस्जिद, आगरा

मोती मस्जिद, दिल्ली

निर्माता

अलाउद्दीन खिलजी

अकबर

शाहजहां

औरंगजेब

* मुगलकाल में 'मौलाना' था

- व्यापारिक जहाजों पर बैठने वाला एक कर्मचारी

* भारतीय इतिहास के मध्यकाल में बंजारे सामान्यतः थे - व्यापारी

सिक्ख संप्रदाय

* गुरु नानक ने अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया था- गुरु अंगद को

* पंजाब में अमृतसर नगर को स्थापित किया था - गुरु रामदास ने

* वह सिक्ख गुरु जिसे अकबर ने 500 बीघा जमीन दी थी- रामदास

* सुमेरित हैं-

गुरु अर्जुन देव

- आदि ग्रंथ

कर्पूर सिंह

- दल खातसा

गुरु अमरदास

- मनजी

* वह सिक्ख गुरु जिसने विद्रोही राजकुमार खुसरो की सहायता धन एवं आशीर्वाद से की थी

- गुरु अर्जुन देव

* आदि ग्रंथ अथवा गुरु ग्रंथ साहेब का संकलन किया था

- गुरु अर्जुन देव ने

* वह सिक्ख गुरु जिन्होंने तत्कालीन शासकों द्वारा मृत्युदंड दिया गया था

- गुरु अर्जुन देव एवं गुरु तेग बहादुर

* वह सिक्ख गुरु, जिसकी मृत्यु के लिए औरंगजेब जिम्मेदार है

- गुरु तेग बहादुर

* हेमकुंड, ताराकुंड तथा ब्रह्मकुंड में से वह स्थान जिस पर एक प्रसिद्ध सिक्ख गुरुद्वारा अवस्थित है

- हेमकुंड

* जिस सिक्ख गुरु का जन्म पटना में हुआ था

- गोविंद सिंह

* वह, जिनकी समाधि के कारण नांदेड़ गुरुद्वारा सिक्खों द्वारा पवित्र माना जाता है

- गुरु गोविंद सिंह की

* गुरु गोविंद सिंह की महानता निहित है इसमें कि - उन्होंने सिक्खों की सैनिक व्यवस्था का गठन किया

* 'खातसा पंथ' प्रारंभ हुआ

- 300 वर्ष पहले

* वह सिक्ख गुरु जिसने खातसा पंथ की स्थापना की थी

- गुरु गोविंद सिंह

* सिक्खों के अंतिम गुरु थे

- गुरु गोविंद सिंह

* बंदा बहादुर का मूल नाम था

- तच्छन देव

* सिक्ख साम्राज्य का अंतिम शासक था

- दलीप सिंह

मराठा राज्य और संघ

- ★ मराठों के उत्कर्ष के कारण है
 - धार्मिक छेतना, भौगोलिक सुरक्षा, राजनैतिक जागृति, उच्च नेतृत्व शक्ति
- ★ शिवाजी ने मुगलों को हराया था — सलहार के युद्ध में
- ★ शिवाजी का जन्म हुआ — 1627 ई. में
- ★ वह सेनानायक, जिसे बीजापुर के सुल्तान ने 1659 ई. में शिवाजी को दबाने के लिए भेजा था — अफजल खां
- ★ शिवाजी मुगलों की कैद से भागने के समय जिस नगर में कैद थे, वह है — आगरा
- ★ शिवाजी की राजधानी थी — रायगढ़ में
- ★ शिवाजी का छत्रपति के रूप में औपचारिक राज्याभिषेक हुआ था — रायगढ़ में
- ★ शिवाजी के गुरु का नाम था — रामदास
- ★ अष्ट प्रधान नाम की मंत्रिपरिषद थी — मराठा प्रशासन में
- ★ शिवाजी के समय 'सरनोबात' का पद संबद्ध था — सैन्य प्रशासन से
- ★ शिवाजी के अष्ट प्रधान का जो सदस्य विदेशी मामलों की देखरेख करता था, वह था — सुमंत
- ★ 'अष्ट प्रधान' मंत्रिपरिषद जिसके राज्य प्रबंध में सहायता करती थी, वह है — शिवाजी
- ★ कथन (A) : राज्य के मामले में शिवाजी एक मंत्रिपरिषद से परामर्श लेते थे।
कारण (R) : प्रत्येक मंत्री अपने विभाग का स्वतंत्र प्रभार रखता था।
— A सही है, परंतु R गलत है।
- ★ शंभाजी के बाद मराठा शासन को सरत और कारगर बनाया — बाताजी विश्वनाथ ने
- ★ पेशवाओं के शासन का सही क्रम है — बाताजी विश्वनाथ, बाजीराव, बाताजी बाजीराव, माधव राव
- ★ सही कालानुक्रम है — शम्भाजी, राजाराम, शिवाजी II, छत्रपति शाहूजी
- ★ कथन (A) : 1750 ई. तक मराठा साम्राज्य पेशवा की अध्यक्षता में एक परिसंघ बन गया।
कारण (R) : शाहू के उत्तराधिकारी पेशवा की इच्छा पर निर्भर थे।
— A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
- ★ औरंगजेब की मृत्यु के समय मराठा नेतृत्व हाथों में था — ताराबाई के
- ★ अहिल्याबाई, मुक्ताबाई, ताराबाई तथा रुक्मिणीबाई मराठा देवियों में जिन्होंने 1700 ई. से आगे मुगल साम्राज्य के विरुद्ध संघर्ष का नेतृत्व किया, वह थी — ताराबाई
- ★ सरंजामी प्रथा संबंधित थी — मराठा भू-राजस्व प्रथा से

- ★ एक इतिहासकार ने पानीपत की तीसरी लड़ाई को खयरे देखा, वह था — काशीराज पंडित
- ★ अहमद शाह अब्दाली के भारत पर आक्रमण और पानीपत की तीसरी लड़ाई लड़ने का तात्कालिक कारण था — वह मराठों द्वारा लाहौर से अपने वायसराय तैमूर शाह के निकासन का बदला लेना चाहता था।
- ★ पानीपत के तीसरे युद्ध में मराठों को हराया था — अफगानों ने
- ★ पानीपत का तीसरा युद्ध लड़ा गया— 14 जनवरी, 1761 को मराठा तथा अहमद शाह अब्दाली के बीच
- ★ गुलाम कादिर रुहेला, नजीब खान, अली मुहम्मद खां तथा हफीज रहमत खां में से वह रुहेला सरदार जो अहमद शाह अब्दाली का विश्वासपात्र था — नजीब खान
- ★ 'मोड़ी लिपि' का प्रयोग किया जाता था — मराठों के विलेखों में

मुगल साम्राज्य का विघटन

- ★ औरंगजेब की 1707 ईस्वी में मृत्यु होने के बाद सत्ता शंभाजी — बहादुर शाह प्रथम ने
- ★ मुगल सम्राट जहांदार शाह के शासन के समय से पूर्व अंग का कारण था — एक युद्ध में वे अपने भतीजे द्वारा पराजित हुए
- ★ अकबर, जहांगीर, बहादुरशाह तथा फर्रुखसियर में से वह मुगल सम्राट जिसने अंग्रेजों को बंगाल में शुल्क-मुक्त व्यापार की सुविधा प्रदान की थी — फर्रुखसियर
- ★ मयूर सिंहासन पर बैठने वाला अंतिम मुगल सम्राट था— मुहम्मद शाह
- ★ नादिरशाह के आक्रमण के समय मुगल शासक था — मुहम्मद शाह
- ★ वह शासक, जिसके शासन में हिजड़ों तथा महिलाओं के एक वर्ग का प्रभुत्व था — मुहम्मद शाह (1719-48)
- ★ वह मुगल बादशाह जो 'रंगीला' के नाम से जाना जाता है — मुहम्मद शाह
- ★ वह मुगल बादशाह जिसको वजीर ग़ालीउद्दीन ने दिल्ली में दखिल नहीं होने दिया था — शाह आलम द्वितीय
- ★ अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह था। उसके पिता का नाम था — उमर शाह II
- ★ अवध का प्रथम नवाब था — सआदत खां
- ★ हैदराबाद के स्वतंत्र राज्य का संस्थापक था — चिनकिलिख खां
- ★ वह, जिसने दिल्ली में खगोलीय वेधशाला, जिसे 'जंतर-मंतर' कहते हैं, बनवाई थी — जयसिंह द्वितीय
- ★ महाराजा जयसिंह II ने वेधशालाएं बनवाई थीं — दिल्ली, जयपुर, उज्जैन एवं वाराणसी में
- ★ 1773 ई. में 'जिज मुहम्मदशाही' पुस्तक, जो नक्षत्रों संबंधी ज्ञान से संबंधित है, के लेखक हैं — जयपुर के सवाई जयसिंह

<https://t.me/sscexampreparationmaterial>

Join Telegram For GK, GS, Statick Gk